बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशुधन द्वारा
जीवन में गुणात्मक सुधार

श्वानों (कुत्तो) में Canine Parvo Virus Infection

बचाव एवं उपचार

श्वानों में पारवो वायरस का संक्रमण "Canine Parvo Virus" नामक विषाणु से होता है। यह संक्रमण स्वस्थ श्वानों में इस रोग से ग्रसित श्वानों के सम्पर्क में आने या उनके द्वारा उत्सर्जित संक्रमित मल–मूत्र अथवा संक्रमित सामग्रियों के उपयोग से होता है। समय से उचित ईलाज नहीं होने पर 70 से 80 प्रतिशत श्वान के बच्चों की मृत्यु हो जाती है। वयस्क श्वानों में भी मृत्यु का प्रतिशत ज्यादा होता है।

लक्षण :

- श्वान में बुखार होना। भुख न लगना।
- बार–बार उल्टी करना तथा कभी–कभी उल्टी के साथ रक्त भी आना।
- काफी दुर्गन्ध युक्त मल करना एवं मल के साथ रक्त आना।

बचाव के उपाय :

- नवजात श्वानों को टीकाकरण के पूर्व बाहरी श्वानों के सम्पर्क में नहीं आने दें।
- कम से कम दो माह तक श्वान के बच्चों को उनके माँ के पास ही रहने दें। उनको पालने हेतु माँ से अलग न करें। टीकाकृत श्वान के बच्चों को ही पाले।
- संक्रमित श्वानों को अन्य स्वस्थ पशुओं से अलग रखे एवं साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें।
- बीमार श्वान को रखने वाले स्थल की साफ–सफाई हेतु Sodium Hypochloride, Phenole Compoeind/Chlorine based disinfectants दवा का प्रयोग कर सकते है।
- नवजात श्वानों को टीकाकरण से पूर्व पशुचिकित्सक की सलाह से अंतः कृमिनाशक दवा पिलावें।
- **टीकाकरण –** प्रथम टीका छः से आठ सप्ताह की उम्र पर, दुसरा टीका बारहवें सप्ताह के उम्र पर एवं वार्षिक बुस्टर टीकाकरण दुसरे टीकाकरण के एक वर्ष बाद।

ईलाज :

- यह बीमारी विशाणुजनित है, जिसका कोई विशिष्ट ईलाज नहीं है, परन्तु बीमारी से ग्रसित श्वानों को Symptomatic एवं Supportive Treatment देकर बचाया जा सकता है।
- उल्टी को रोकने के लिए Antiemetic, मल में रक्त को रोकने हेतु Haemocoagulant एवं शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाईट की कमी को पूरा करने हेतु Normal Saline, Dextrose Normal Saline 5% एवं Ringer lactate एवं दस्त रोकने हेतु Metronidazole का उपयोग किया जा सकता है।
- अन्य संक्रमण से बचाव हेतु Antibiotic का भी उपयोग किया जा सकता है।

विशेष जानकारी हेतु निकटवर्ती पशु चिकित्सालय/पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना (दूरभाष संख्या– 0612–2226049) से संपर्क किया जा सकता है।

नोट : टीकाकरण हेतु Nobivac Puppy DPv, Venguard Plus, MegavacP, Canigen DHPPI, Novivac DHPPI इत्यादि का उपयोग किया जा सकता है।

पशुपालन निदेशालय, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, पटना द्वारा जनहित में प्रचारित